एम.ए. हिंदी कार्यक्रम

द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य

(जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों के लिए)

वैकल्पिक पाठ्यक्रम :

मॉड्यूल '4' : मध्यकालीन कविता

एम.एच.डी – 21 : मीरा का विशेष अध्ययन

एम.एच.डी – 22 : कबीर का विशेष अध्ययन

एम.एच.डी – 23 : मध्यकालीन कविता–1

एम.एच.डी – 24 : मध्यकालीन कविता–2

एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन

सत्रीय कार्य
(सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–21
सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी–21/टी.एम.ए/2022–2023
कुल अंक : 100

1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **10× 3 = 30**

(क) साधुन के संग बैठ बैठ के, लाज गमाई सारी।
नित प्रति उठि नींच घर जावो, कुलकूँ लगावो गारी।।
बड़ा घरांकी छोरी कहावो, नाँचो दे दे तारी।
बर पायो हिंदवाणो सूरज, अब दिल में कहा धारी।।
तार्‌यो पीहर सासरो तार्‌यो, माय मोसाली तारी।
मीरां ने सतगुरुजी मिलिया, चरण कमल बलिहारी।।

(ख) ऊँची नीची राह रपटणी, पाँव नहीं ठहराय।
सोच सोच पग धरूँ जतन से, बार बार डिग जाय।।
ऊँचा नींचा महल पिया का, हमसे चढ्‌या न जाय।
पिया दूर पंथ म्हारा झीणां, सुरत झकोला खाय।।
कोस कोस पर पहरा बैठ्‌या, पैंड पैंड बटमार।
हे विधना कैसी रच दीन्हीं, दूर बस्यो घरबार।।
जुगन जुगन से बिछड़ी मीरां घर लीन्हां मैं पाय।
मीरा के प्रभु गिरधरनागर, सतगुर दिया बताय।।

(ग) साजनिया दुसमन होय बैठ्‌या, सब नैं लगे कड़ी।
तुम बिन साजन कोई नहीं है, डिगी नाव मेरी समंद अड़ी।।
दिन नहिं चैन रैन नहिं निंदरा, सुकूँ खड़ी खड़ी।
बान बिरह का लग्या हिये में, भूलूँ न एक घड़ी।।
पत्थर की तो अहिल्या तारी, बनके बीच पड़ी।
कहा बोझ मीरां में कहिये, सौ पर एक घड़ी।।

2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में) दीजिए : **15× 3 = 45**

(i) मीरा के युग की सामाजिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।
(ii) मीरा के कृष्ण की विशिष्टताएँ बताइए।
(iii) मीरा के काव्यभाषा की विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

3. निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 100 शब्दों में टिप्पणी लिखिए : **5× 5 = 25**

(i) मीरा की भक्ति
(ii) तुलछयराय
(iii) अपने युग के संदर्भ में मीरा
(iv) गुजरात के भक्ति आंदोलन के प्रमुख कवि
(v) महाराणा मेवाड़ परिवार में मीरा की स्थिति